

भारत-नॉर्वे हरति समुद्री क्षेत्र

प्रलिम्स के लयि:

भारत-नॉर्वे संयुक्त कार्य समूह, नॉर्वे का भूगोल

मेन्स के लयि:

भारत-नॉर्वे संबंध, ग्रीन मैरीटाइम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 8वीं भारत-नॉर्वे समुद्री संयुक्त कार्य समूह की बैठक मुंबई, भारत में आयोजित की गई।

- नॉर्वे के पास समुद्री क्षेत्र में तकनीकी वशिषज्जता है और भारत में [समुद्री क्षेत्र](#) और परशकिषति नावकिों के बड़े पूल के विकास की बड़ी क्षमता है, जो दोनों देशों को प्राकृतिक पूरक भागीदार बनाते हैं।
- इससे पहले भारत ने [मैरीटाइम इंडिया वज़िन 2030](#) भी तैयार किया था, जसिने क्षमता वृद्धिआदिपर ध्यान केंद्रति करने वाले बंदरगाहों, शपिगि और जलमार्गों जैसे वभिनिन समुद्री क्षेत्रों में 150 से अधिक पहलों की पहचान की है।



बैठक की मुख्य चर्चाएँ:

- भवषिय के शपिगि के लयि [ग्रीन अमोनिया](#) और [हाइड्रोजन](#) जैसे वैकल्पिक ईंधन के उपयोग पर चर्चा की गई।
- नॉर्वेजयिन ग्रीन शपिगि कार्यक्रम सफल रहा है और बैठक में अनुभव वशिषज्जता साझा की गई थी।
- भारत और नॉर्वे ग्रीन वॉयज 2050 परयिोजना का हसिसा है।

- दोनों पक्ष साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये **इच्छा, समर्पण, साझेदारी और क्षमता निर्माण पर सहमत हुए।**
- भारत जहाज़ों के **पुनर्र्चरण के लिये हॉनगकॉन्ग सम्मेलन** का एक हस्ताक्षरकर्त्ता है।
 - बैठक में भारत ने अनुरोध किया कि **यूरोपीय संघ** के नियमों को गैर-यूरोपीय देशों के पुनर्र्चरण में बाधा नहीं बनना चाहिये, जो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुरूप है।
 - नॉर्वे से अनुरोध किया गया था कि वह भारत में जहाज़ों के पुनर्र्चरण को आगे न बढ़ाए क्योंकि भारतीय पुनर्र्चरण करने वालों द्वारा बहुत अधिक नविश किया गया है।
- नार्वे का प्रतनिधिर्मिंडल **आईएनएमएआरसीओ, हरति पोत परविहन और समुद्री क्षेत्र के सम्मेलन** में भी भाग लेगा।
 - समुद्री शीओ (ShEO) सम्मेलन नॉर्वे द्वारा समर्थित है और **समुद्री विविधता एवं स्थिरता** पर केंद्रित है, जिसमें समुद्री उद्योग में **लैंगिक समानता** भी शामिल है।

मैरीटाइम इंडिया वज़िन 2030:

- **परिचय:**
 - **मैरीटाइम इंडिया वज़िन (MIV) 2030** समुद्री क्षेत्र के लिये दस वर्ष का ब्लूप्रिंट है जिसमें भारत के प्रधानमंत्री द्वारा नवंबर 2020 में मैरीटाइम इंडिया शिखर सम्मेलन में जारी किया गया था।
 - MIV 2030 को 350 से अधिक सार्वजनिक और नज़ी क्षेत्र के हतिधारकों के परामर्श से तैयार किया गया है, जिसमें बंदरगाह, शिपियार्ड, अंतर्र्देशीय जलमार्ग, व्यापार नकियाय एवं संघ, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय उद्योग और कानूनी विशेषज्ञ शामिल हैं।
- **थीम:**
 - MIV 2030 भारतीय समुद्री क्षेत्र के सभी पहलुओं को कवर करने वाले **10 विषयों पर आधारित है और राष्ट्रीय समुद्री उद्देश्यों को परिभाषित करने एवं पूरा करने का एक व्यापक प्रयास है:**
 - सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के बंदरगाह बुनियादी ढाँचे का विकास।
 - लॉजिस्टिक्स दक्षता और लागत प्रतसिपर्द्धात्मकता का आदान-प्रदान करने के लिये ड्राइव एक्सचेंज।
 - प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से लॉजिस्टिक्स दक्षता में वृद्धि।
 - सभी हतिधारकों का समर्थन करने के लिये नीति और संस्थागत ढाँचे को मज़बूत करना।
 - जहाज़ निर्माण, मरम्मत और पुनर्र्चरण में वैश्विक हसिसेदारी बढ़ाना।
 - अंतर्र्देशीय जलमार्गों के माध्यम से कार्गो और यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि।
 - महासागर, तटीय और नदी करूज़ क्षेत्र को बढ़ावा देना।
 - भारत के वैश्विक कद और समुद्री सहयोग को बढ़ाना।
 - सुरक्षा, सतत् और हरति समुद्री क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करना।
 - विश्व स्तर की शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के साथ शीर्ष नेवगिसन राष्ट्र बनना।
- **मुख्य लक्ष्य 2030:**
 - 300 मिलियन टन प्रतविर्ष (MTPA) कार्गो हैंडलिंग क्षमता वाले तीन प्रमुख बंदरगाह।
 - **75% से अधिक भारतीय कार्गो ट्रांसशिपमेंट** भारतीय बंदरगाहों द्वारा संभाला जाता है।
 - सार्वजनिक-नज़ी भागीदारी/अन्य ऑपरेटर्स द्वारा प्रमुख बंदरगाहों पर **85% से अधिक कार्गो का प्रबंधन** किया जाता है।
 - 20 घंटे से कम का औसत पोत टर्नअराउंड समय (कंटेनर)।
 - जहाज़ निर्माण और जहाज़ मरम्मत में शीर्ष 10 में वैश्विक रैंकिंग।
 - 15 लाख से अधिक वार्षिक करूज़ यात्री।
 - प्रमुख बंदरगाहों पर नवीकरणीय ऊर्जा का **60% से अधिक हसिसा**।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. 'क्षेत्रीय सहयोग के लिये हदि महासागर रमि संघ (इंडियन ओशन रमि एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन-IOR_ARC)' के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2015)

1. इसकी स्थापना हाल ही में समुद्री डकैती की घटनाओं और तेल अधपिलाव (OIL SPILLS) की दुर्घटनाओं के प्रतकिरयिास्वरूप की गई है।
2. यह एक ऐसी मैत्री है जो केवल समुद्री सुरक्षा हेतु है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

स्रोत: पी.आई.बी.

